भारत सरकार
Government of India

Calm
Caution
Threat
Danger

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2024 / No. 10 **अवधि / Period 16-31 May 2024**

LOCUST SITUATION: During the routine surveys, India (Scheduled Desert Area) found free from gregarious as well as Solitary locust activity during the **2nd fortnight of May 2024.** Total **165** nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : नियमित सर्वेक्षण के दौरान, भारत में (अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र) **मई 2024 के द्वितीय पखवाड़े** के दौरान सामूहिक और एकल टिड्डियों की गतिविधि से मुक्त पाया गया। सर्वेक्षण करते समय कुल **165** स्थानो का अवलोकन किया गया, जिन्हें मानचित्र पर दर्शाया गया है।

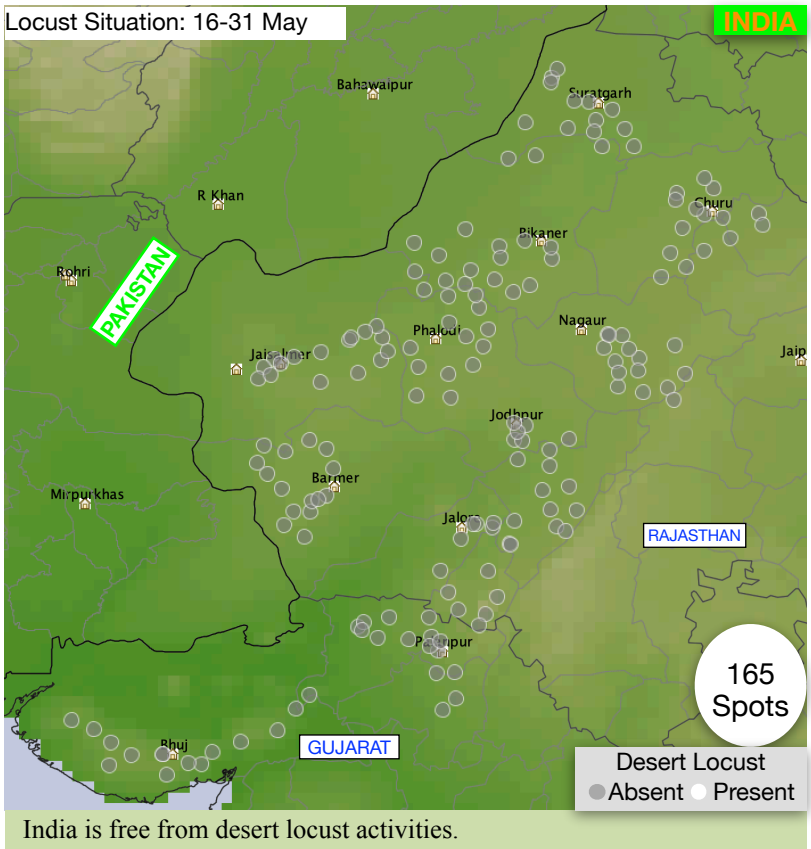

India is free from desert locust activities.

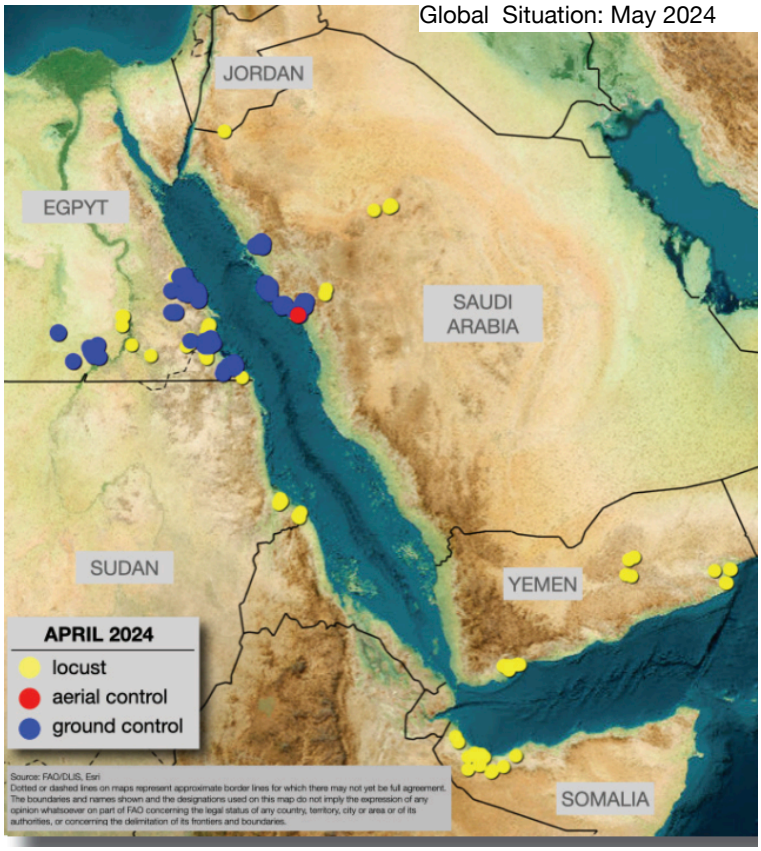

Swarm movement	:	Nil
Breeding	:	Nil
Hoppers	:	Nil
Solitary Isolated/ scattered mature/immature adults	:	Nil

Global Situation (Area treated): April 2024
Control operation decreased slightly in April to 23156 ha. compared to 40689 ha. in March.
Area Treated As-
Egypt : 15441 ha.
Saudi Arabia : 7715 ha.

WEATHER AND ECOLOGY : During the survey scheduled desert area the soil moisture found wet one spot of **Bikaner** and dry in all other surveyed locations. Vegetation was found green at few spots of **Suratgarh** and **Palanpur** and dry at all other locations. Soil moisture and vegetation are shown in the map below.

मौसम एवं परिस्थितिकी : सर्वेक्षण के दौरान निर्धारित रेगिस्तानी क्षेत्र में बीकानेर के एक स्थान पर मिट्टी की नमी गीली तथा अन्य सभी स्थानों पर सूखी पाई गई। सूरतगढ़ और पालनपुर के कुछ स्थानों पर वनस्पति हरी और अन्य सभी स्थानों पर सूखी पाई गई। मिट्टी की नमी और वनस्पति को नीचे दिए गए मानचित्र में दिखाया

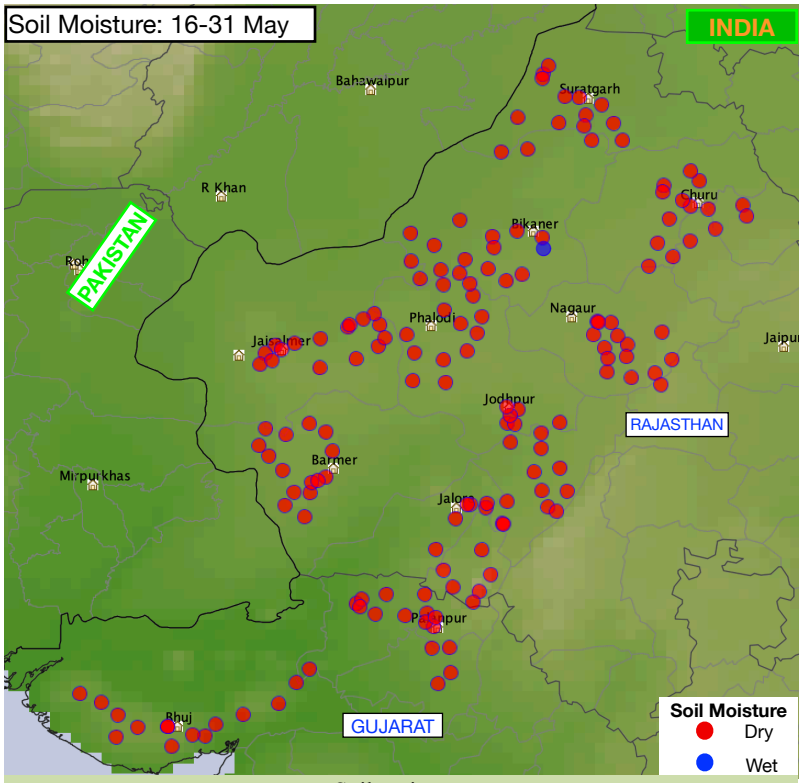

Soil moisture map.

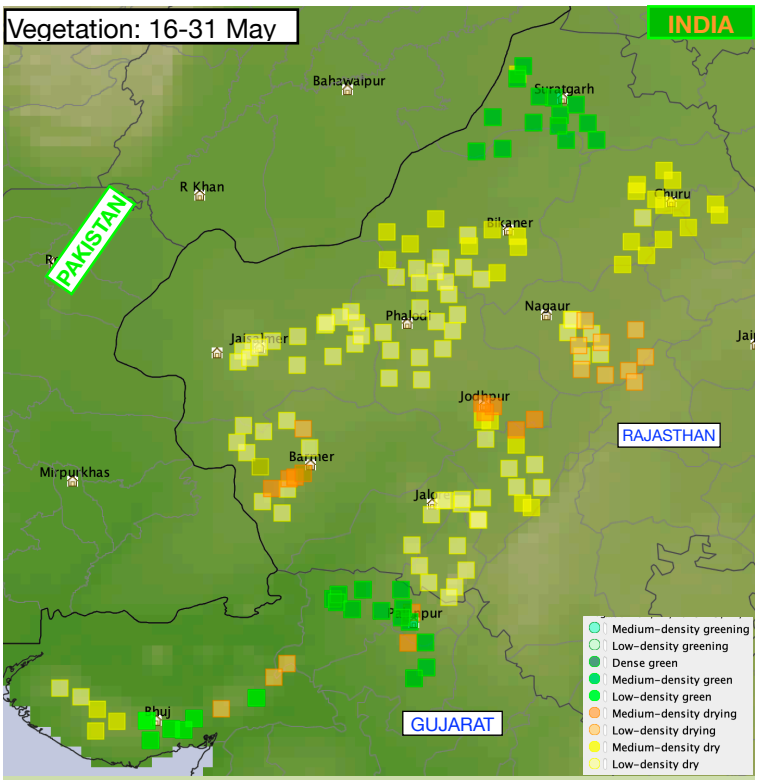

Vegetation was found green/ dry.

FAO Update (02 May):No significant locust developments in Western region. In Central region the second-generation hopper groups, bands, and adult groups decreased along the Red Sea coast of Egypt and Saudi Arabia. Hatching and hopper groups occurred near the Nile Valley in southern Egypt. Scattered adults were present in a few places in the southern Red Sea coast of Sudan, Gulf of Aden in southern Yemen, northwestern Somalia, and the interior of Yemen, Saudi Arabia, and southern Jordan.As a forecast result of good rains in March and April in the Arabian Peninsula, one limited generation of spring breeding should occur in the interior Red Sea of Saudi Arabia, the interior of Yemen and Oman parts of northern Sudan and north west plateau of Somalia. A generation of small-scale spring breeding is likely in southeast Iran and southwest Pakistan. There is a risk of cyclone activity along the Arabian Sea in May and June.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

Forecast (India) : Ecological conditions are not favourable for locust breeding in the Scheduled Desert Area, Moreover, no locust was seen during the survey. Therefore, any locust activity is not expected upto the next fortnight.

एफ. ए. ओ. अपडेट (02 मई): पश्चिमी क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण टिड्डियों का विकास नहीं हुआ। मध्य क्षेत्र में मिस्र और सऊदी अरब के लाल सागर तट पर दूसरी पीढ़ी के हॉपर समूह, बैंड और वयस्क समूह कम हो गए। दक्षिणी मिस्र में नील घाटी के पास हैचिंग और हॉपर समूह उत्पन्न हुए। सूडान के दक्षिणी लाल सागर तट, दक्षिणी यमन में अदन की खाड़ी, उत्तर-पश्चिमी सोमालिया और यमन के अंदरूनी हिस्सों, सऊदी अरब और दक्षिणी जॉर्डन में कुछ स्थानों पर बिखरे हुए वयस्क मौजूद थे। मार्च और अप्रैल में अच्छी बारिश के पूर्वानुमान के परिणाम के रूप में अरब प्रायद्वीप में, वसंत प्रजनन की एक सीमित पीढ़ी सऊदी अरब के आंतरिक लाल सागर, उत्तरी सूडान के यमन और ओमान के आंतरिक हिस्सों और सोमालिया के उत्तर पश्चिम पठार में होनी चाहिए। दक्षिण-पूर्व ईरान और दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान में छोटे पैमाने पर वसंत प्रजनन की एक पीढ़ी की संभावना है। मई और जून में अरब सागर के किनारे चक्रवात सक्रिय होने का खतरा है। ।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

पूर्वानुमान (भारत): अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में टिड्डियों के प्रजनन के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं, इसके अलावा सर्वेक्षण के दौरान कोई टिड्डी नहीं देखी गई अतः आने वाले पखवाड़े में किसी प्रकार की टिड्डी की गतिविधियों की उम्मीद नहीं की जाती हैं।

Photographs taken by surveyors

Bhuj

Nagaur

Prepared by Regional Locust-Cum-IPM Centre, Jodhpur (email : lwo-jod-rj@nic.in) & Issued by Plant Protection Adviser, Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, N.H.IV, Faridabad. Phone : +91-129-2476354, e-mail : ppa@nic.in,